प्रतबिंध के बावजूद नए तरीकों से बढ़ रहे हैं क्रप्टिो-एक्सचेंज

चर्चा में क्यों ?

आरबीआई ने अप्रैल में जारी कयि एक सर्कुलर द्वारा भारतीय बैंकों को क्रप्टिो करेंसी वनियिमनों (crypto-currency exchanges) को डील करने से प्रतबिंधति कर दयिा था। लेकनि कई नए तरीकों के माध्यम से इन वनियिमनों में अभी भी बढ़ोतरी हो रही है। यथा- क्रप्टिो-टू-क्रप्टिो ट्रेडगि प्लेटफॉर्मों के माध्यम से परविर्तन या वनियिामकीय कार्रवाई से बचने हेतु वदिशों में बेस शफ्टिगि करना।

प्रमुख बदिु

- एक क्रप्टिो-करेंसी ट्रेडगि प्लेटफॉर्म के फाउंडर के अनुसार, वर्तमान में भारतीय करेंसी से क्रप्टिो करेंसी के बीच ट्रेडगि पर प्रभावी प्रतबिंध है, लेकनि अभी भी पीयर-टू-पीयर ट्रेडगि या एक क्रप्टिो करेंसी से दूसरी क्रप्टिो करेंसी में वनियिमन कयिा जा सकता है।
- आरबीआई ने 'आभासी मुद्राओं में लेनदेन पर रोकथाम' (Prohibition on dealing in Virtual Currencies) नामक एक नोटसि के माध्यम से बैंक, ई-वॉलेट और अन्य भुगतान गेटवे प्रदाताओं से देश में आभासी मुद्रा वनियिमनों और अन्य ऐसे व्यवसायों, जो आभासी मुद्रा लेनदेनों में शामलि हैं, का समर्थन न करने का आदेश दयिा था। इस आदेश के अनुपालन हेतु 3 महीने का समय दयिा गया था।
- उदाहरणस्वरूप, ज़ेबपे और कयिोनेक्स क्रप्टिो-टू-क्रप्टिो ट्रेडगि प्लेटफ़ॉर्म हैं। इसी प्रकार यूनोकॉइन ने एक मल्टी-क्रप्टिो परसिंपत्तिएक्सचेंज यूनोडैक्स (UNODAX) लॉन्च कयिा है।
- एक अन्य क्रप्टिो-एक्सचेंज बइयूकॉइन (BuyUcoin), जसि 2016 में लॉन्च कयिा गया था, एक क्रप्टिो-करेंसी एक्सचेंज और वॉलेट कंपनी है। इसने खुद का बइयूकॉइन टोकन (BUC) लॉन्च कयिा है। इस कंपनी के सीईओ का कहना है कि इस प्रकार के कुल 100 मलियिन टोकन की आपूर्ति की जाएगी। ध्यातव्य है कि बइयूकॉइन 30 से अधकि क्रप्टिो-करेंसयिों के वनियिमन की सुवधिा प्रदान करती है। इनमें बटिकॉइन, रपि्पल, लाइटकॉइन, इथीरीयम, डैश जैसी क्रप्टिो-करेंसयिाँ शामलि हैं।

बेस स्थानांतरण

- कई कंपनयिाँ वनियिामकीय कार्रवाई से बचने के लयि वदिशों में अपना बेस स्थानांतरति कर रही हैं। उदाहरण के तौर पर बइयूनकॉइन कंपनी को लयिा जा सकता है, जो अपना बेस सगिापुर में स्थानांतरति कर रही है।
- ऐसी कई अन्य कंपनयिाँ हैं, जो इसी तरह अपने बेस स्थानांतरति कर रही हैं।
- कई क्रप्टिो-करेंसी एक्सचेंजों ने आरबीआई के इस सर्कुलर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जसि पर जुलाई में सुनवाई होनी है।

क्या होती है क्रप्टिो करेंसी ?

- क्रप्टिो करेंसी (crypto-currency) एक डजिटिल या आभासी मुद्रा है, जसिमें सुरक्षा के लयि क्रप्टिोग्राफी तकनीक उपयोग में लाई जाती है।
- इसके सुरक्षा वैशष्टि्य के कारण इसका जाली रूप बनाना मुश्कलि है। इसे सामान्यतः कसिी केंद्रीय या सरकारी प्राधकिरण द्वारा जारी नहीं कयिा जाता है। अतः सैद्धांतकि रूप से यह सरकारी हस्तक्षेप से मुक्त है।
- सन् 2009 में 'बटिकॉइन' के नाम से पहली क्रप्टिो करेंसी बनाई गई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/despite-ban-crypto-exchanges-finding-new-ways-to-prosper